इ

1. इ interj. gaṇa चादि zu P. 1,4,57. खेदे प्रकोपोक्तौ H. an. 7,3. भेदे रुषोक्तौ चापाकरणानुकम्पयोः Med. avj. 3. इ इन्द्रः (ohne Zusammenziehung der Vocale) P. 1,1,14,Sch.

2. इ pron. Stamm der 3ten Person; vgl. इतर, इतस्, इति, इद्, इदम्, इद्दा, इयत्, इव, इह.

3. इ I) एति (Dhâtup. 24,36 इ-ण्), इतस्, इमसि (ved.), इथ, यन्ति (P. 6, 4,81); अयानि, इहि, एतु, इताम्, इत, इतन (ved.), यन्तु; इयाम् (ईयाम् bei West. ist ein Versehen, da P.7,4,24 der prec. gemeint ist; ep. kommt jedoch auch die Form ईयात् vor MBh. 3, 2010. 10272), इयाम, इयुस्; आयम्, ऐस्, ऐत्, (ऐतत् [?] AV. 18,3,40), ऐतम्, ऐताम्, ऐम, ऐतन (ved.), आयन्; conj. अयस्, अयत्, अयाम, अयन्; partic. यन्त्, यती; इयाय, इययिथ, इयेथ, इयथ (Ṛv. 8,1,7), ईयतुस्, ईयुस् (P. 7,4,69. Vop. 9,13.14. अन्वियुस् MBh. 1,5738); partic. ईयिवंस्, ईयुषी; एष्यामि, एष्ये (MBh. 5,192; wird auf ई Dhâtup. 26,34 zurückgeführt; अन्विष्यामि MBh. 1,4889 ohne Steigerung des Vocals); partic. एष्यन्त्; एता; prec. ईयात् (mit praepp. इयात्) P. 7,4,24.25. Vop. 9,15; der aor. fehlt; inf. एतुम्, एतवे, एतवै, एतोस् (die drei letzten Formen ved.); partic. praet. pass. इत. — II) अयति (Dhâtup. 9,34) अयते (Dhâtup. 14,1 अय्); अयामहे, अयन्ताम्; imperf. ved. अयत; part. अयमान; आयिष्ट Bhaṭṭ. 15,104. आयिध्वम्, °ढ्वम् und °ध्वम् Vop. 8,114; अयां चक्रे P. 3,1,37. Vop. 8,55.114. अयिष्यति (अभ्युद्° MBh. 4,688), अयिष्यते. — III) एति, ईतस्, इयन्ति; aor. ऐषीत् Dhâtup. 24,40. auch med. s. u. — अधि. — 1) *gehen, ausgehen; zu* (acc.) — *hingehen, sich wohin begeben, kommen:* स्तनयन्नेति नानदत् Ṛv. 1,140,5. 162,4. 163,9. एमीदेषां निष्कृतं जारिणीव 10,34,5. आयन्नापो ऽयनमिच्छमानाः 3,33,7. अपामयं यतीनाम् 1,158,6. सुवृद्रथो वर्तनिं यन् 183,2. यस्त्वा च मां चात्तरायेति AV. 13,1,58. सुकृतो हवमेति 4,24,1. मरुतो यन्तु सेनया 3,19,6. स एति सविता स्वर्दिवः पृष्ठे ऽवचाकशत् 13,4,1. *ausgehen* (vom Schall): अश्वस्येव वृषणः क्रन्द एति 11,2,22. 5,20,7. नीचायमानं जसुरिं न श्येनम् 4,38,5. मनोजवा अयमानः 8,89,8. यन्ति वा आप एत्यादित्य एति चन्द्रमा यन्ति नक्षत्राणि Çat. Br. 11,5,7,10. यथा वै सम्राण्महान्तमध्वानमेष्यन्रथं वा नावं वा समाददीत Bṛh. Âr. Up. 4,2,1. ते पतञ्चलस्य काप्यस्य गृहानैम 3,3,1. सभामीयुर्द्विजातयः R. 2,67,1. उदारा श्रीः स्थिता ह्यस्यां त्वामेष्यति मृते मयि 4,21,17. पुनर्जन्म नैति मामेति Bhag. 4,9. मामेवैष्यस्यसंशयः 8,7. राधेयो गुरुं द्रोणमियात्तदा MBh. 1,5222. स धर्मात्मा इयान्मे दर्शनं रहः 3405. अलिरेति वनात्कमलम् Hit. I,182. तं पृष्ठतः प्रष्ठमियाय *er ging hinter ihm her* Bhaṭṭ. 1,24. ईयुर्भरद्वाजमुनेर्निकेतम् 3,40. एतृ 8,30. पृष्ठमितः *auf Jmds Rücken liegend* Vet. 11,10. mit पुनर् *wiederkommen* MBh. 2,58. R. 2,61,11. 70,15. 4,63,19. 5,1,96. यदतीतं पुनर्नैति 22,12. *zurückkehren zu* (acc.) N. 10,26. Pańkat. IV,32. Ragh. 8,55.— 2) *weggehen, entfliehen, verstreichen, weichen:* होत्रादहं वरुण बिभ्यदायम् Ṛv. 10,51,4. ईयुषीणामुपमा 1,124,2. प्रच्युता यन्तु शत्रवः AV. 5,20,3. Çat. Br. 3,6,1,8. 6,8,1,5.13. धन्वासहा नायते Ṛv. 1,127,3. अयन्मासा अयज्वनामवीराः 7,61,4. यथ ऋतव ऋतुभिर्यन्ति 10,18,5. यावदेतेषां भयं नैति R. 3,1,28. — 3) *wiederkommen:* कृतार्थस्त्वं महाबाहो शीघ्रमेष्यसि R. 1,42,9. क्षिप्रमेष्यामि MBh. 5,194. एष्ये 192. Vgl. oben unter 1. am Ende. — 4) *von Statten gehen* (?): तस्मिन्युक्तस्यैति नित्यं प्रेतकृत्यैव लौकिकी M. 3,127. — 5) *zu Etwas gelangen, erlangen, erreichen, in Etwas gerathen:* तव क्रतुभिरमृतत्वमायन् Ṛv. 6,7,4. अच्छा यद्यावो ऽसुनीतिमयन् 10,12,4. असुं य ईयुः 15,1. AV. 18,4,37. अवर्तिं यन्तु मम ये सपत्नाः 9,2,4. स्वस्ति जनतामियाम् TS. 2,3,4,2. सर्वमायुरेति Çat. Br. 14,5,1,11 (= Bṛh. Âr. Up. 2,1,10). पुनर्जन्म नैति Bhag. 4,9. अप्रख्यातिमियाम् MBh. 3,860. प्रीतिम् N. 16,19. शमम् Çâk. 96. शोषम् Kât. 9. श्रेष्ठताम्, शूद्रतामेति M. 4,245. 10,65. 11,220. 12,90. प्रशुचितामियात् 5,143. 8,230. वागृषभत्वम्, भूमिपतित्वम् u. s. w. ईयात् R. 1,1,96. शत्रुताम् Pańkat. II, 32. गुणितामेति Hit. Pr. 36.42. इष्टसमागमनिर्वृतिं वनितयानितया Ragh. 9,37. वशमेष्यन्ति मे Hit. I,32. कामस्य वशमीयिवान् N. 11,31. — 6) *ausgehen von, herkommen von:* मन्योरियाय हर्म्येषु तस्थौ यतः प्रजज्ञ इन्द्रो अस्य वेद Ṛv. 10,73,10. तं प्रेतं दिष्टमितो ऽग्नय एव हरन्ति यत एवेतो यतः संभूतो भवति Khând. Up. 5,9,2. — 7) *bittend kommen, erbitten;* nur im part. praes.: अधा ह यन्तो अश्विना पृक्षः सचन्त सूरयः Ṛv. 7,74,5. महो यन्तः सुमतये चकानाः 6,29,1. ददद्वचा सनिं यते 5,27,4. — 8) *an Etwas* (acc.) *gehen, sich in Etwas einlassen, unternehmen:* अयज्यायान्कनीयसो देष्णम् *pflegt zu beschenken* Ṛv. 7,20,7. सत्त्रमायन् VS. 15,49. यामाशामेमि AV. 19,4, 2. Ait. Br. 7,30. Çat. Br. 6,2,1,13. पार्थो द्यूतमियात्पुनः MBh. 2,2496. — 9) *in einer Handlung begriffen sein, in einem Zustande* oder *Verhältnisse sich befinden;* mit einem partic. praes.: कृषन्तो ह स्मैव वपन्तो

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007